हिमाचल अभी अभी

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 10 अंक 18 कांगड़ा। शनिवार, 31 अगस्त-06 सितंबर, 2024 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 15 भाद्रपद, विक्रमी संवत् 2081 कुल पृष्ठ 12 मूल्य ₹5 | Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

सीएम, मंत्रियों और सीपीएस के वेतन-भत्ते दो महीनों के लिए विलंबित -पढ़ें पेज 2

गणेश चतुर्थी

गणेश चतुर्थी का 10 दिनों का उत्सव भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से प्रारंभ होता है। गणेश चतुर्थी के दिन लोग अपने घरों में गणपति बप्पा को लेकर आते हैं, उनकी विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हैं। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, इस साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि 6 सितंबर को दोपहर में 3 बजकर 1 मिनट से शुरू हो रही है और इस तिथि का समापन 7 सितंबर को शाम 5 बजकर 37 मिनट पर होगा। ऐसे में उदयातिथि की मान्यता के आधार पर गणेश चतुर्थी का शुभारंभ 7 सितंबर शनिवार से होगा।

7 सिंतबर को गणेश चतुर्थी की पूजा का शुभ मुहूर्त 2 घंटे 31 मिनट तक है। उस दिन आप गणपति बप्पा की पूजा दिन में 11 बजकर 03 मिनट से कर सकते हैं। मुहूर्त का समापन दोपहर में 1 बजकर 34 मिनट पर होगा।

गणेश चतुर्थी के दिन 4 शुभ योग बन रहे हैं। गणेश चतुर्थी को सुबह में ब्रह्म योग है, जो रात 11 बजकर 17 मिनट तक है, उसके बाद से इन्द्र योग बनेगा। इन दो योगों के अलावा रवि योग सुबह में 06:02 बजे से दोपहर 12:34 तक है। वहीं सर्वार्थ सिद्धि योग दोपहर में 12 बजकर 34 मिनट तक है, जो अगले दिन 8 सितंबर को सुबह 06 बजकर 03 मिनट तक है।

गणेश चतुर्थी के दिन भद्रा भी लग रही है। भद्रा सुबह में 06 बजकर 02 मिनट से लग रही है, जो शाम 05 बजकर 37 मिनट पर खत्म होगी। इस भद्रा का वास पाताल में है।

गणेश चतुर्थी के दिन गणेश जी का जन्म हुआ था। इस दिन व्रत रखकर गणेश जी की पूजा करते हैं। गणेश जी की कृपा से मनोकामनाएं पूरी होंगी और बिगड़े हुए काम बनेंगे। आपके जीवन के संकट दूर होंगे और शुभता आएगी।

■ पं. कुलदीप शास्त्री